

सामान्य ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स

यह एडिटरियल 07/08/2022 को 'हडिस्तान टाइम्स' में प्रकाशित "How India is shaping the future of e-commerce" लेख पर आधारित है। इसमें ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स (ONDC) और इसके अनुप्रयोगों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

- भारत में 'ओपन रटिल' का भविष्य आकार ले रहा है जहाँ देश में अगले दो वर्षों में ई-कॉमर्स की पहुँच को 25 प्रतिशत उपभोक्ता खरीद तक बढ़ाने के लिये ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स (ONDC) की शुरुआत की गई है।
- ONDC ई-कॉमर्स के लोकतंत्रीकरण (इसे वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद-बिक्री के लिये प्लेटफॉर्म-केंद्रित प्रतिमान से एक ओपन नेटवर्क में रूपांतरित करते हुए) के लक्ष्य के साथ क्र्रेताओं और विक्रेताओं के लिये एक साझा डजिटल स्पेस प्रदान करेगा। ONDC में नशिचति रूप से भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र को रूपांतरित कर सकने की क्षमता है। हालाँकि, कुछ ऐसे अपरभाषति क्षेत्र भी मौजूद हैं जनिहें अभी भी स्पष्ट कयि जाने की आवश्यकता है।



//

ONDC के लाभ

- **सबके लिये एकसमान अवसर:** ONDC सभी ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के लिये एकसमान अवसर के नरिमाण और देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) तथा छोटे व्यापारियों के लिये डजिटल बाज़ार पहुँच के वसितार का इचछुक है।
 - इसके अतरिकित, यह खोज-योग्यता (Discoverability), अंतरसंचालनीयता (Interoperability) और समावेशता (Inclusivity) लाकर नए प्रवेशकों की मदद करेगा।
- **प्रतसिप्रर्दधी और नवोन्मेषी पारतित्तर:** मौजूदा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उपखंडों में संचालित होते हैं और सख्ती से वनियमित हैं।
 - ONDC रटिल, फूड और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने और व्यवसायों को रूपांतरित करने के लिये दगिगज प्लेटफॉर्मों के एकाधिकार को तोड़कर आपूर्तकिरताओं और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाएगा।
- **उपभोक्ताओं के लिये चयन की स्वतंत्रता:** उपभोक्ता संभावति रूप से कसिी भी विक्रेता, उत्पाद या सेवा को एक साझा मंच में खोज सकते हैं, जसिसे उपभोक्ताओं के लिये चयन की स्वतंत्रता की वृद्धि होती है।
 - यह उपभोक्ताओं को नकिटतम उपलब्ध आपूर्ति के साथ मांग को संगत करने में सक्षम करेगा। यह उपभोक्ताओं को अपने पसंदीदा स्थानीय व्यवसायों को चुनने की स्वतंत्रता भी देगा।

- **तटस्थ और वनियमिमत प्लेटफॉर्म:** ONDC ओपन-सोर्स कार्यप्रणाली पर विकसित ओपन नेटवर्क को बढ़ावा देने, खुले वनिरिदेशों एवं नेटवर्क प्रोटोकॉल का उपयोग करने और किसी वशिष्ट प्लेटफॉर्म से स्वतंत्र रहने पर लक्ष्य है।
 - यह [युनफाइड पेमेंट्स इंटरफेस](#) (UPI) जैसे ओपन सोर्स-आधार पर कौटलॉगिंग, वेंडर मैच और प्राइस डिसकवरी के लिये प्रोटोकॉल सेट करेगा।
 - स्नैपडील (Snapdeal) ओपन नेटवर्क पर उपस्थिति होने वाला पहला ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है।

ओपन सोर्स क्या है?

- ओपन सोर्स (Open source) का तात्पर्य है कि प्रक्रिया के लिये तैनात प्रौद्योगिकी या कोड सभी के उपयोग, पुनर्वितरण और संशोधन करने के लिये स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराया गया है।
- उदाहरण के लिये, iOS का ऑपरेटिंग सिस्टम 'कलोज्ड सोर्स' है, यानी इसे कानूनी रूप से संशोधित या उपयोग नहीं किया जा सकता है।
 - जबकि एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम ओपन सोर्स है, जिससे सैमसंग, नोकिया, श्याओमी जैसे स्मार्टफोन निर्माताओं के लिये अपने संबंधित हार्डवेयर हेतु इसे संशोधित करना संभव हो जाता है।

ONDC से संबंधित अपरभाषित क्षेत्र

- **संगतता संबंधी चिंता:** कम मात्रा वाले छोटे व्यवसायों में अमेज़ॉन और फ्लिपकार्ट जैसे दगिगजों द्वारा दी जाने वाली छूट से संगतता रखने के लिये संसाधनों की कमी हो सकती है।
 - इन दो वैश्विक दगिगज कंपनियों ने भारत में संयुक्त रूप से 24 बलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है और आक्रामक छूट एवं पसंदीदा विक्रेताओं के प्रचार के साथ ऑनलाइन खुदरा बाज़ार के 80% पर कब्जा कर लिया है।
- **भुगतान के तरीके:** यह नशिचति है कि विभिन्न प्लेटफॉर्मों के बीच पेमेंट गेटवे संगतता में एक बेमेल की स्थिति हो सकती है।
 - यदि विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भुगतान के सभी तरीकों को स्वीकार नहीं करते हैं तो नरिबाध लेनदेन के लक्ष्य से समझौता हो सकता है।
- **जवाबदेही संबंधी चिंता:** यह स्पष्ट नहीं है कि ONDC पर विभिन्न ई-कॉमर्स मानदंड कैसे लागू होंगे और ONDC भारत में ई-कॉमर्स के संपूर्ण कानूनी परदृश्य में कैसे संगत होगा।
 - लेनदेन अथवा वितरित उत्पादों या सेवाओं की गुणवत्ता के संबंध में किसी भी समस्या का सामना करने वाले उपभोक्ता के मामले में दायित्व को लेकर सवाल उठता है।

आगे की राह

- **डजिटल अवसंरचना और साक्षरता:** सरकार को प्रभुत्वशाली ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों से आगे निकलने के लिये ई-कॉमर्स हेतु एक बेहतर डजिटल स्पेस बनाने की ज़रूरत है।
 - इसके साथ ही, उपभोक्ताओं और विक्रेताओं के लाभ के लिये विभिन्न भाषाओं और उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए एक उचित डजिटल शक्ति नीतिका नरिमाण करना महत्त्वपूर्ण है।
- **जागरूकता अभियान:** लाखों मौजूदा करिना स्टोरों को मंच पर लाने के लिये वृहत स्तरीय और पर्याप्त रूप से वतितपोषित अंगीकरण अभियान की आवश्यकता होगी।
- **ONDC के माध्यम से मौजूदा योजनाओं पर बल:** ONDC '[प्रधानमंत्री वन धन योजना](#)' (PMVDY) जैसी विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन को बढ़ा सकता है।
 - PMVDY योजना का उद्देश्य वन उत्पादों के एकत्रीकरण, प्रसंस्करण और वायदा बकिरी के माध्यम से वन-आश्रित जनजातियों की आजीविका को बढ़ाना है।
 - इन आदवासी समुदायों को न तो मूल्य प्राप्ति (Price Realisation) का लाभ मलित है, न ही वे बाज़ार के पर्याप्त संपर्क में आ पाते हैं।
 - यह योजना वर्ष 2018 से कार्यान्वित है, लेकिन अभी भी स्थानीय हाट बाज़ारों या गाँव की मंडियों में अधकिंश बकिरी होती है और यह स्थानीय व्यापारियों तक ही सीमति है।
 - ONDC उन्हें किसी भी अन्य बड़े ब्रांड को प्राप्त पहुँच के स्तर तक पहुँचा सकता है।
 - इस तरह का एकीकरण स्वस्थ और संवहनीय विकल्पों की ओर बढ़ते ग्राहक पसंदों में महत्त्वपूर्ण मूल्य का योग करेगा।
- **उपयुक्त शकियत नविवरण तंत्र:** सूचना वषिमता, अपारदर्शी मूल्य नरिधारण, गुणवत्ता एवं उत्पाद संबंधी चिंताओं और करेता-विक्रेता संघर्ष जैसी मांग और आपूर्तिपिक्ष की समस्याओं से नपिटने के लिये एक सुरक्षित एकल खडिकी होनी चाहिये।

अभ्यास प्रश्न: ओपन नेटवर्क फॉर डजिटल कॉमर्स भारत में ई-कॉमर्स के प्लेटफॉर्म-केंद्रित प्रतमान को ओपन नेटवर्क में कसि प्रकार रूपांतरित कर सकता है? इसके कार्यान्वयन में नहिति प्रमुख परचालन चुनौतियों पर प्रकाश डालिये।

